आखर हिंदी पत्रिका; e-ISSN-2583-0597 खंड 3/अंक 4/सितंबर 2023
Received: 18/07/2023; Published: 24/09/2023

रिश्ता

- **अरविंद कुमार**

जिंदगी का एक नही, हर रिश्ता निभाना चाहता हूँ मैं।
पल दो पल का नही जिंदगी भर साथ चाहता हूँ मैं।।
हर वक्त पास ना सही,तेरी खुशबू चाहता हूँ मैं।।
जिंदगी का एक नही..... .।
डगमगा जाऊँ मैं जब,सहारा तेरा चाहता हूँ मैं।।
सुख ना सही तेरा,हर दुःख बांटना चाहता हूँ मैं।
जिंदगी का एक नही.....।
पड़ जाऊं अकेला जब,आवाज़ तेरी चाहता हूँ मैं।।
किताब नही मुहब्बत की,पन्ने दो चार लिखने चाहता हूँ मैं।
जिंदगी का एक नही.....।
रूठ चली तु कोई बात नही,ख़ुशी तेरी चाहता हूँ मैं।
गुंजाईश बाकि रहे बस, यही चाहता हूँ मैं।।
गम जाने का नही तेरे,गुनाह मेरा बता दे चाहता हूँ(अरविंद) मैं।।
जिंदगी का एक नही.....।

****